2. वर्ण विचार

मानव मुख से उच्चरित ध्वनियों का लिखित रूप वर्ण कहलाता है। वर्ण विचार के अंतर्गत वर्णों के उच्चारण और लेखन के शुद्ध प्रयोग पर विचार किया जाता है। वर्ण भाषा की सबसे छोटी ध्वनि होती है जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से हिंदी वर्णमाला सुनें।
- ❖ समझाएँ, मुँह से उच्चरित ध्वनि संकेतों को लिपिबद्ध करना यानी लिखना ही वर्ण रूप होता है। वर्ण के भेदों से अवगत कराएँ।
- ❖ बताएँ, वर्णों का क्रमबद्ध और व्यवस्थित समूह वर्णमाला कहलाता है।
- ❖ वर्णों के प्रकार स्वर तथा व्यंजन वर्णों का वर्गीकरण बताएँ।
- ❖ स्वर वर्णों के तीनों प्रकार– ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत स्वरों के बारे में विस्तार से बताएँ।
- ❖ वर्णों को उनके उच्चारण स्थान के आधार पर उच्चरित करना सिखाएँ। पृष्ठ 12 पर दिए चित्र द्वारा उच्चारण स्थान स्पष्ट रूप से समझाया जा सकता है।
- ❖ समझाएँ, श्वास के आधार पर व्यंजन अल्पप्राण और महाप्राण होते हैं तथा स्वरतंत्रियों के कंपन के आधार पर व्यंजन सघोष और अघोष होते हैं।
- ❖ समझाएँ, स्वर के भेदों में उच्चारण के आधार पर अंतर किया जाता है।
- ❖ व्यंजन के भेदों के बारे में बताएँ। स्पर्श, अंतस्थ तथा ऊष्म व्यंजनों को समझाएँ तथा सभी वर्णों का उच्चरण स्थान के आधार पर उच्चारण करके दिखाएँ।
- ❖ अक्षर और बलाघात समझाएँ।
- ❖ ध्यान दें कि छात्र समझ पा रहे हैं।
- ❖ वर्ण-विच्छेद करना छात्र पिछली कक्षाओं में सीख चुके हैं। छात्रों से कुछ शब्दों का वर्ण-विच्छेद करवाएँ।
- ❖ मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों को बताने को कहें।